MT EDUCARE LTD.

ICSE X **SUBJECT : HINDI**

BOARD PAPER – 2013

QUESTION PAPER

Section - A (40 Marks)

*(Attempt **all** questions)*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए । **[15]**

i) ''अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो । बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया ? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणो को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की ?

ii) त्योहार हमें उमंग एवं उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। आजकल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव देखा जाता है ? लोगों की इस मानसिकता के कारण बताते हुए जीवन में त्योहारों के महत्व का वर्णन कीजिए।

iii) वर्तमान युग में इंटरनेट अपनी उपयोगिता के कारण एक आवश्यकता बनता जा रहा है । इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि इंटरनेट जीवन में सुविधा के साथ-साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है ?

iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-
'' परिश्रम ही सफलता का सोपान है।''

v) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिये जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए । **[7]**

i) आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं । जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

ii) आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माताजी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यें आए थे और आपने उनके लिए क्या-क्या किया?

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए । **[10]**

नामू की माँ ने अपने बेटे से कहा,'' जा, कुल्हाड़ी लेकर पलाश के पेड़ से कुछ छाल उतार ला ।''
''अभी लाया माँ ।'' कहकर नामू ने कुल्हाड़ी उठाई और जंगल की ओर निकल गया । वहाँ उसने पलाश के पेड़ की छाल उतारी और फिर घर की ओर चल पड़ा । रास्ते में विचार करने लगा कि जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता था, तो एक आवाज़ पेड़ से निकलती थी, कहीं वह आवाज़ पेड़ की कराह तो नहीं थी ? जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता होऊँगा, तो पेड़ को पीड़ा भी तो होती होगी ।

नामू ने घर आकर पलाश की छाल माँ को साँप दी और स्वयं घर से दूर कुल्हाड़ी लेकर जा बैठा । वहाँ बैठकर उसने कुल्हाड़ी से अपना पैर रगड़ना शुरू किया । रगड़ के साथ पाँव में पीड़ा भी होती थी, खून बहता था और नामू के मुँह से हल्की - हल्की चीखें भी निकलती थीं । यह सब उसने पेड़ की पीड़ा का अनुभव करने के लिए किया था ।

कुछ देर बाद वह घर लौट आया और माँ से खाना माँगा । उसके चेहरे पर पीड़ा की स्पष्ट रेखाएँ उभर आई थीं, मगर वह चुप था । माँ ने देखा, लेकिन कुछ समझी नहीं । एकाएक माँ की दृष्टि उसके कपड़ों पर पड़ी, जो खून से लाल हो चुके थे । माँ ने घबराकर पूछा, ''यह क्या हुआ, नामू ?''
''कुछ नहीं माँ, तुम चिंता मत करो ।''

माँ और अधिक घबराकर बोली, ''चिंता कैसे न करूँ बेटा, तेरे शरीर का खून देखकर मैं चिंता नहीं करूँगी, तो फिर और कौन चिंता करेगा ?''
नामू कहने लगा, ''माँ, तुमने पलाश की छाल मँहवाई थी, तो कुल्हाड़ी से छाल उतानरते हुए, मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि पेड़ कराह रहा है और जैसे उसे पीड़ा हो रही है । अपने पाँव पर कुल्हाड़ी की रगड़ से यह जानना था, कि क्या सभी को एक-सी पीड़ा होती है ?''

बेटे की बात सुनकर, माँ का हृदय भर आया । माँ की आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली । उसने नामू को गले लगाते हुए कहा, ''लगता है, मेरे पुत्र के रूप में किसी संत ने जन्म लिया है । बेटे, तू पराये दु:ख से दु:खी होकर, उस दु:ख का अनुभव करना चाहता था; पराया दु:ख भी पेड़ का, जिसमें तुझे प्राण दिखाई दिये । अवश्य ही, तू एक दिन बड़ा संत बनेगा ।'' इस प्रकार माँ ने उसे संत बनने का आशीर्वाद दिया ।

आगे चलकर यह 'नामू' नामदेव के नाम में महाराष्ट्र का प्रसिद्ध संत हुआ ।

वास्तव में दया, धर्म का भाव रखना और दूसरे के दु:ख को महसूस करना संत का स्वभाव होता है । आज अपने पर्यावरण को बचाने के लिए नामदेव जैसे संतों की आवश्यकता है, जिनके मन में न केवल जीवों के प्रति ही दया की भावना हो, बल्कि पेड़, पौधों के लिए भी अपनेपन का भाव हो । आज के स्वार्थी मानव ने प्रकृति के प्रति जिस प्रकार का व्यवहार किया है, वह निन्दनीय है क्योंकि मानव के लोभ ने धरती के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है ।

प्रश्न

i) नामू को माँ ने क्या आदेश दिया था ? माँ के आदेश का पालन करते समय उसने क्या विचार किया ?
ii) घर आकर नामू ने क्या किया और क्यों ?
iii) माँ क्या देखकर चिंतित हुई ? उसका हृदय क्यों भर आया ?
iv) संत के स्वभाव की क्या विशेषता होती है ? आगे चलकर नामू किस रूप में प्रसिद्ध हुआ ?
v) आपको इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिली ? पेड़ - पौंधों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है ?

Question 4

Answer the following according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए ।

i) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए । **[1]**

(a) नीति (b) साहित्य

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए । **[1]**

(a) मार्ग (b) माता

iii) निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए । **[1]**

(a) निर्दोष (b) शांत (c) पतन (d) अन्त

iv) निम्नलिखित में से किसी **एक** मुहावरे की सहायता से वाक्य बनाइए । **[1]**

(a) आँखों पर पर्दा पड़ना (b) घुटने टेकना।

v) भाववाचक संज्ञा बनाइए । **[1]**

(a) ईश्वर (b) उत्तम

v) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिये। **[3]**

(a) असफल हो जाने पर, उसे भारी दु:ख हुआ। (वाक्य शुद्ध कीजिए।)

(b) परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराता है । (वचन बदलिए।)

(c) जीवन-भर मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ।

(रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य को पुन: लिखिए।)

Section B is not given due to change in present Syllabus

❖❖❖❖